सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 148 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 3 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं , यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो।
- ब्रूस ली

गिल एजबेस्टन में शतक लगाने वाले बने... 7 | कोरोना वैक्सीन पर सिद्धारमैया के... 3 | भाजपा आनेवाली पीढ़ी से 'शिक्षा... 2

4PM के संपादक संजय शर्मा ने की पीआईएल और झुक गयी योगी सरकार!

- जेपीएनआईसी सेंटर का संचालन अब एलडीए के हवाले
- कैबिनेट की अहम बैठक में लिया गया फैसला
- चारों तरफ हो रही थी बदनामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सांसद संजय सेठ के भ्रष्टाचार की कहानी कह रहे जेपीएनआईसी के दिन अब बदलने वाले हैं। योगी कैबिनेट ने इसे एलडीए के हवाले करने का मन बना लिया है। इस खंडहर हो रही बिल्डिंग को बनाने के लिये 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका डाली थी जिसके बाद सरकार को नोटिस जारी हुआ तो हड़कंप मच गया था।

सैकड़ों करोड़ की ये बिल्डिंग बनाने का काम संजय सेठ की शालीमार कंपनी को मिला था। सरकार बदलते ही सीएम योगी ने इसकी जांच के आदेश कर दिये थे। इसके बाद भ्रष्टाचार की गंगा में नहा रहे संजय सेठ एक डील करके भाजपा में चले गये और उसके बाद जांच तो खत्म हो गयी पर ये बिल्डिंग खंडहर होती चली गयी। इसके बाद संजय शर्मा हाईकोर्ट गये और फिर तय हो गया कि इस बिल्डिंग के दिन बदल जायेंगे।

करोड़ों की बिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर खा रहा था जंग

आखिर जेपीएनसी के दिन बहुरे पर छिप गया संजय सेठ का भ्रष्टाचार

संजय सेठ के भ्रष्टाचार पर एलडीए करेगा प्लास्टर

कैबिनेट बैठक के फैसले से संजय सेठ के भ्रष्टाचार पर एलडीए के प्लास्टर लगाने का रास्ता साफ कर दिया है। हुआ यह कि 4पीएम के संपादक संजश शर्मा की पीआईएल के बाद आनन–फानन में इस भव्य इमारत को चमकाने का प्लान सरकार को मजबूरी में बनाना पड़ा। कोर्ट की ओर से सरकार को जवाब देने का नोटिस जारी हुआ था। अब सरकार कोर्ट को जवाब के तौर पर बताएगी कि इमारत की जिम्मेदारी अब लखनऊ विकास प्राधिकरण की है और वह इसे ठीक ठाक करेगा। सैकड़ों करोड़ की ये बिल्डिंग बनाने का काम संजय सेठ की शालीमार कंपनी को मिला था। सत्ता परिवर्तन के बाद जहां सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के बहुत से ड्रीम प्रोजेक्ट बंद कर दिये गये थे वहीं इस बिल्डिंग के भी जांच के आदेश योगी सरकार ने दिये थे। जांच शुरू होते ही अरबपति संजय सेठ ने बीजेपी में साटकांठ करके डील कर ली और भाजपा में चले गये और उसके बाद जॉच तो खत्म हो गयी पर ये बिल्डिंग खंडहर होती चली गयी।

सपा प्रमुख ने बदहाली पर उठाया था सावाल

पिछले कुछ वर्षों में अखिलेश यादव लगातार जेपीएनआईसी की बदहाली पर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने कई बार ट्वीट करके या प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया कि भाजपा सरकार समाजवादी सरकार की योजनाओं को जानबूझकर तबाह कर रही है। उनका आरोप था कि उसके फंड रोक दिए गए हैं और स्टाफ की कटौती कर दी गई है। यहां तक कि उन्होंने यह भी कहा कि जेपीएनआईसी को खंडहर बनने दिया जा रहा है क्योंकि यह समाजवादी सोच का प्रतीक है।

संजय शर्मा ने दाखिल की थी पीआईएल

जेपीएनआईसी सेंटर को लेकर 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क के संपादक संजय शर्मा ने भी कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने सेंटर की बदहाली और दूसरे कई अहम मुद्दों को दृष्टिगत रखते हुए पीआईएल दाखिल की थी। पीआईएल पर सुनवाई जारी थी और कोर्ट के निर्देश भी आने वाले थे। लेकिन उससे पहले योगी सरकार ने कैबिनेट के जरिये सरकार के लिए एक सम्मानजनक रास्ता निकाल लिया।

इस फैसले के हैं राजनीतिक मायने

अब जब सरकार ने जेपीएनआईसी के संचालन का जिम्मा एलडीए को सौंपा है तो इसे एक प्रशासनिक सुधार के तौर पर पेश किया जा रहा है। सरकारी तर्क है कि एलडीए के पास अधिक संसाधन, तकनीकी विशेषज्ञता और बेहतर प्रबंधन क्षमता है जिससे जेपीएनआईसी को पुनर्जीवित किया जा सकता है। परंतु राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह निर्णय दरअसल एक राजनीतिक कॉन्सॉलिडेशन है।

4पीएम ने जेपीएनआईसी की बिल्डिंग की दुर्दशा पर खबर भी प्रकाशित की थी

4पीएम ने जेपीएनआईसी की बिल्डिंग के खंडहर होने की खबर भी प्रकाशित की थी। साथ ही अपने सामाजिक दायित्वों के तहत इसको बचाने के लिए संपादक की ओर से हाईकोर्ट में रिट भी दायर की गई थी। संजय शर्मा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके कहा था कि नौ सौ करोड़ की बिल्डिंग खंडहर हो रही है। ज्ञात हो कि जेपीएनआईसी का काम सपा सरकार में शुरू हुआ था। इस काम को पूरा करने की जिम्मेदारी शालीमार ग्रुप को दिया गया था। 2017 में सरकार बदलते ही इस काम को रोक दिया गया था। इस बीच जांच से बचने के लिए शालीमार के मालिक संजय सेठ भाजपा में शामिल हो गए थे। सेठ तो बच गए पर बिल्डिंग जो कि आमजनता के टैक्स के पैसे से बनी थी वह धीरे-धीरे खंडहर हो रही थी। छह साल से जांच होने की बात चल रही है पर अब जाकर उम्मीद की जा रही है कि लखनऊ की एक उम्दा इमारत फिर संवर कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगी।

भाजपा आनेवाली पीढ़ी से 'शिक्षा का अधिकार' छीनना चाहती है: अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख, हो रही है शिक्षा और शिक्षकों की उपेक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के पूर्व सीएम व सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास की सबसे बड़ी कसौटी होती है। भाजपा सरकार में शिक्षा और शिक्षकों की जो उपेक्षा हो रही है उसके पीछे एक गहरी साज़िश की ये आशंका बलवती हो रही है कि भाजपा आनेवाली पीढ़ी से 'शिक्षा का अधिकार' छीनना चाहती है।

जो शिक्षित होता है वह सकारात्मक भी होता है और सहनशील भी, ऐसे लोग भाजपा की नकारात्मक राजनीति को कभी भी स्वीकार नहीं करते हैं। शिक्षा से ही उनमें चेतना आती है और वो उत्पीड़न व शोषण के खिलाफ एकजुट हो जाते हैं। शिक्षा से जो आत्मविश्वास आता है वह भाजपा जैसे वर्चस्ववादी दल के विरोध का कारण बनता है, इसीलिए न होंगे स्कूल, न होगा भाजपा

का विरोध। आज गाँवों में स्कूल बंद होंगे कल को भाजपा के संगी-साथी सेवा के नाम पर अपने स्कूल वहाँ खोलने के लिए पहुँच जाएँगे। जिससे वो अपनी दरारवादी सोच के बीज बो सकें।

जितनी शिक्षा प्रसारित होगी उतनी ही भाजपाई राजनीति कमजोर होगी

भाजपा अपनी प्रभुत्ववादी सोच को बनाए रखने के लिए अशिक्षित व अवैज्ञानिक लोगों की ताली बजाती, थाली पीटती अनपढ़ों की भीड़ चाहती है। नकारात्मक सोच के लिए प्रभुत्ववादी, घोर स्वार्थी व अनपढ़ों का समर्थन चाहिए होता है। सच में शिक्षित व परमार्थ से प्रेरित एक चैतन्य व जागरूक व्यक्ति कभी भी भाजपा जैसी सोच का समर्थक नहीं हो सकता है। जितनी शिक्षा प्रसारित होगी उतनी ही भाजपाई राजनीति की जड़ कमज़ोर होगी।

30 बच्चों के लिए स्कूल चलाया क्यों नहीं जा सकता

सब जानते हैं कि जो चीज निगाह से दूर हो जाती है, वो दिमाग़ से भी दूर हो जाती है। जब आसपास स्कूल ही नहीं दिखेंगे तो शिक्षा की साक्षात प्रेरणा ही समाप्त हो जाएगी। हमारा तर्क ये है कि जब 1 मतदाता के लिए बूथ बनाया जा सकता है तो 30 बच्चों के लिए स्कूल चलाया क्यों नहीं जा सकता है। ये पीडीए के वंचित समाज को और भी वंचित करने का एक बड़ा षड्यंत्र है।

अयोध्या व वाराणसी के जलभराव का वीडियो शेयर किया

पूर्व सीएम ने अयोध्या, वाराणसी व गोरखपुर में बारिश के बाद हुए जलभराव का वीडियो शेयर करके भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि ये है बीजेपी सरकार के विकास का सच। उन्होंने लिखा और यहाँ भी जलभराव देखकर ये न सोचें कि ये गोरखपुर है, दरअसल ये भाजपाई विकास की पोल खोलती अयोध्या नगरी है। बनारस का जलभराव देखकर ये सोचें कि ये पीएम का संसदीय क्षेत्र है।

योगी सरकार का फैसला गरीब विरोधी: मायावती

» सरकारी स्कूलों के विलय का फैसला सरकार वापस ले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में सरकारी स्कूलों के विलय को अनुचित और गरीब विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस फैसले को वापस लेना चाहिए और अगर नहीं लेती है तो बसपा की सरकार आने पर इस फैसले को निरस्त किया जाएगा।

उन्होंने एक्स पर कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के युग्मन/एकीकरण की आड़ में बहुत सारे स्कूलों को बंद करने वाला जो फैसला लिया गया है, वह गरीबों के करोड़ों बच्चों को उनके घर के पास दी जाने वाली सुगम व सस्ती सरकारी शिक्षा व्यवस्था के प्रति न्याय नहीं, बल्कि पहली नजर में ही स्पष्ट तौर पर यह अनुचित, गैर-जरूरी एवं गरीब-विरोधी प्रतीत होता है।

सरकार से अपील है कि वह अपना युग्मन/एकीकरण का यह फैसला गरीब छात्र-छात्राओं के व्यापक हित में तुरन्त वापस ले। यदि सरकार अपना यह फैसला वापस नहीं लेती है तो फिर हमारी पार्टी इनके सभी माता-पिता व अभिभावकों को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि हमारी पार्टी बसपा की सरकार बनने पर फिर इस फैसले को रद्द करके पुन: प्रदेश में पुरानी व्यवस्था बहाल करेगी। वैसे उम्मीद है कि यूपी सरकार गरीबों व आमजन की शिक्षा के व्यापक हित के मद्देनजर अपने इस फैसले को बदलने के बारे में जरूर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी।

देश की आबादी में से लगभग 95 करोड़ लोग सरकार की कम से कम किसी एक सामाजिक कल्याण योजना का लाभार्थी बनने को मजबूर हुए हैं, जिससे ऐसे लाचार व मजबूर लोगों की संख्या अब बढ़ते-बढ़ते 64.3 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जबकि 2016 में यह संख्या करीब 22 प्रतिशत थी। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के इन आंकड़ों को भी सरकार अपनी उपलब्धि बता रही है, जो उचित नहीं है। सबको मालूम है कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को कितनी परेशानी झेलनी पड़ती है।

योगी सरकार हर मोर्चे पर हो रही विफल: अजय राय

» सुखदेव लोधी की हत्या के बाद पहुंचे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। रायबरेली जिले सेमरी के महारानीगंज में गल्ला व्यापारी सुखदेव लोधी की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। जंगलराज कायम है। हर मोर्चे पर सरकार विफल है।

बीती सोमवार रात को महारानीगंज में गल्ला व्यापारी सुखदेव लोधी और उनकी पत्नी सरोजिनी पर घर में घुसकर हमला किया गया था। बदमाशों ने दंपती पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। इसमें सुखदेव लोधी की मौके पर ही मौत हो गई थी तो सरोजिनी गोली लगने से घायल हो गई थीं। जिनका इलाज एम्स में चल रहा है। व्यापारी हत्याकांड के बाद से प्रदेश की सियासत भी गर्म हो गई है। एम्स के बाहर निकलते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा

कि पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। योगी जी कहते है कि जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। कानून व्यवस्था एकदम फिट चल रही है। यह कैसी कानून व्यवस्था है कि घर के अंदर व्यापारी को मारा जा रही है। अब तो घर के भीतर भी लोग सुरक्षित नहीं है। गाजियाबाद की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था इतनी खराब है कि बदमाश गाजियाबाद में पहले एक घर के बाहर गोली चलाते हैं और जब पिता थाने पहुंचता है और एफआईआर लिखाता है तो बेटे को गोली मार दी जाती है। पूरे प्रदेश में जंगलराज है। व्यापारी की हत्या के बाद से रायबरेली में भी जंगलराज कायम हो गया है।

फूट डालने वाले अपने को सुधार लें: अनुप्रिया पटेल

» सोनेलाल पटेल की जयंती समारोह में बोलीं अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पार्टी के बागी नेताओं के दावों के बीच अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने जहां पार्टी में फूट डालने वालों को कड़ी चेतावनी दी है। वहीं, कार्यकारी अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने इशारों में ही इसे षड्यंत्र करार दिया है।

अनुप्रिया ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि हमें अपने सिद्धांतों और वैचारिक मुद्दों से नहीं भटकना चाहिए। विरोध और षड्यंत्र केवल ताकतवर और ईमानदार लोगों के खिलाफ होते हैं। हमारी पार्टी की लोकप्रियता और स्वीकार्यता बढ़ रही है। हमें यूपी में नंबर एक पार्टी बनने का संकल्प लेना होगा। अनुप्रिया रवींद्रालय में आयोजित डॉ. सोनेलाल पटेल के जयंती समारोह में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर

रही थीं। पार्टी में बगावती सुर उठाने वालों को करारा जवाब देते हुए अनुप्रिया ने कार्यकर्ताओं को ऐसे लोगों से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वाभिमान की रक्षा उनके लिए सर्वोपरि है और इसी वजह से डॉ. सोनेलाल की जयंती को आज 'जन स्वाभिमान दिवस' के तौर पर मनाई जा रही है। जातिगत जनगणना की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अपना दल स्थापना के समय से ही जातिगत जनगणना का समर्थन किया था। केंद्र सरकार ने इस दिशा में कदम उठाकर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र के सपने को साकार किया है।

प्रयागराज की घटना पर बसपा की नजर

दलित युवाओं पर दर्ज हुई है एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज में आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को नजरबंद किए जाने के विरोध में भड़की हिंसा के बाद दलित युवाओं पर दर्ज किए गये मुकदमों पर बहुजन समाज पार्टी की नजरें हैं। बसपा इस मामले में फंसे निर्दोष युवाओं की मदद के साथ आजाद समाज पार्टी की घेराबंदी करने की रणनीति बना रही है।

पार्टी सूत्रों की मानें तो हिंसा के बाद दर्ज मुकदमों में नामजद तमाम युवा बसपा के जोनल कोआर्डिनेटर, जिलाध्यक्ष समेत स्थानीय नेताओं से संपर्क साध रहे हैं। इनमें से तमाम युवा मौके पर मौजूद नहीं होने का दावा कर खुद को निर्दोष बता रहे हैं। पार्टी नेता इसकी पुष्टि करने के बाद पुलिस अधिकारियों से बात कर उन्हें न्याय दिलाने की कवायद में जुटे हैं। वहीं कुछ अधिवक्ताओं को भी इस कवायद में शामिल किया गया है। इस प्रकरण की जानकारी पार्टी हाईकमान तक भी पहुंच चुकी है, जिसके बाद निर्दोषों को राहत दिलाने की रणनीति बनाई जा रही है। बता दें कि बसपा नेताओं और चंद्रशेखर आजाद के बीच बीते दिनों हुई बयानबाजी से तल्खी बढ़ती जा रही है। चंद्रशेखर ने आकाश आनंद को जनता द्वारा नकारे जाने का बयान दिया तो मायावती ने पलटवार करते हुए उन्हें बरसाती मेढ़क बता दिया। अब इस मामले में बसपा सियासी नफा-नुकसान भांप कर कदम बढ़ा रही है।

आकाश कर चुके हैं आगाह

लोकसभा चुनाव के दौरान आकाश आनंद ने चंद्रशेखर का नाम लिए बगैर बयान दिया था कि वह

आपको गुमराह कर खुद को मसीहा बताता है। गुस्सा दिलाकर धरना प्रदर्शन कराता है। आप लोगों के खिलाफ केस दर्ज हो जाते हैं। अगर एक युवा के ऊपर केस दर्ज हो गया तो उसे नौकरी और पढ़ने लिखने में दिक्कत होगी। आपकी बाद में कोई मदद भी नहीं करेगा।

कोरोना वैक्सीन पर सिद्धारमैया के बयान से मोदी सरकार हलकान

एनडीए सरकार ने कर्नाटक के सीएम के बयान को किया खारिज

केंद्र सरकार बोली- अचानक होने वाली मौतों से वैक्सीन का कोई संबंध नहीं

» आईसीएमआर व एम्स के शोध में किया गया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन को लेकर कर्नाटक के सीएम के बयान पर कोहराम मच गया है। बता दें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने एक बयान में दिल का दौरा पड़ने के लिए कोरोना वैक्सीन को जिम्मेदार बताया था, लेकिन केंद्र सरकार ने उनके दावे को खारिज कर दिया है। वहीं इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और एम्स ने मिलकर एक अध्ययन किया है, जिसके आधार पर दावा किया गया है कि देश में हो रहीं अचानक मौतों की वजह कोरोना वैक्सीन नहीं है।

देश में 40 साल से कम उम्र के लोगों में हार्ट अटैक के मामले बढ़े हैं और खासकर कोरोना महामारी के बाद इनमें खासी बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि कोरोना वैक्सीन और युवाओं में दिल का दौरा पड़ने में कोई संबंध नहीं है। आईसीएमआर और एनसीडीसी ने 18 से 45 साल के लोगों के बीच अध्ययन किया। यह अध्ययन मई 2023 से लेकर अगस्त 2023 तक 47 क्षेत्रीय अस्पतालों और 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में किया गया। इस अध्ययन में उन लोगों की जांच की गई जो अक्तूबर 2021 से लेकर मार्च 2023 के बीच अचानक मौत का शिकार हुए। अध्ययन में पता चला कि इन अचानक मौतों का कोरोना वैक्सीन से संबंध नहीं है। अब एम्स द्वारा भी ऐसा ही एक अध्ययन किया जा रहा है, जिसकी फंडिंग आईसीएमआर द्वारा की गई है। अध्ययन में पाया गया है कि जेनेटिक म्यूटेशन के चलते दिल का दौरा पड़ने जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। अभी अध्ययन चल रहा है और इसके पूरा होने के बाद ही रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। सरकार ने चेताया कि जो दावे किए जा रहे हैं, वे आधारहीन हैं और इनसे आम जनता का कोरोना वैक्सीन में विश्वास कमजोर होगा, जबकि कोरोना वैक्सीन की वजह से ही कोरोना महामारी के दौरान लाखों लोगों की जान बची थी। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक सीएम ने दावा किया कि बीते महीने में हासन जिले में 20 से ज्यादा लोगों की मौत अचानक हुई है।

कर्नाटक के सीएम के बयान पर सरकार की सफाई

दरअसल कर्नाटक के हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने से कई युवाओं की मौत हुई है, जिसके बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने एक बयान में दिल का दौरा पड़ने के लिए कोरोना वैक्सीन को जिम्मेदार बताया था, लेकिन केंद्र सरकार ने उनके दावे को खारिज कर दिया है। सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि जल्दबाजी में कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दी गई और फिर तेजी से वैक्सीन का वितरण किया गया, ऐसे में हो सकता है कि अचानक हो रही मौतों की वजह कोरोना वैक्सीन भी हो सकती है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अगर किसी को भी सीने में दर्द, या सांस लेने में तकलीफ की समस्या हो तो तुरंत नजदीकी अस्पताल में अपना चेकअप कराएं और लक्षणों को बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें।

सरकार ने कहा- अचानक मौत होने के कई कारण

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि अचानक हो रहीं मौतों की देश की विभिन्न एजेंसियों ने जांच की है और जांच में पाया गया है कि इनका कोरोना वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं हैं। आईसीएमआर और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने भी अपने अध्ययन में इसकी पुष्टि की है। सरकार ने कहा कि कोरोना वैक्सीन सुरक्षित और प्रभावकारी है और इसके दुर्लभ ही किसी पर गंभीर परिणाम दिखे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अचानक हो रही मौतों के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें जेनेटिक्स, हमारा रहन-सहन और दिनचर्या, पहले से कोई बीमारी और कोरोना संक्रमित होने के बाद की दिक्कतें शामिल हैं।

बिहार की सियासत में मौलाना पर सियासी संग्राम

2025 विस चुनाव की तैयारी में जुटे राजद नेता

» भाजपा व राजद में जुबानी जंग जारी

» भाजपा प्रवक्ता ने तेजस्वी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में युवा राजनीति को धार दे रहे आरजेडी के युवराज, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव केवल राजद सुप्रीमो लालू यादव के सामाजिक न्याय की विरासत ही नहीं, बल्कि अब अपने चाचा मुलायम सिंह यादव की पदवी यानी मौलाना की पगड़ी भी धारण कर ली है। सामाजिक न्याय की विरासत भले उन्हें परिवार ने थामा दी है लेकिन मौलाना की पदवी तो बीजेपी ने दी है। बिहार की सियासत में बयानबाजी के इस खेल की धार उल्टी भी पड़ सकती है।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने तेजस्वी यादव पर आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव को केवल मुस्लिम समाज की चिंता है और वे शरिया कानून से इस समाज को मजबूत करना चाहते हैं। राजनीति के इस प्लेटफार्म पर तेजस्वी यादव के लगातार बैटिंग करने के कारण भाजपा प्रवक्ता मौलाना बताते हुए उन पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप भी लगाते हुए यह भी कह गए कि ये %नमाजवादी% बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान नहीं चाहते। वे संविधान का सम्मान नहीं करते। वे केवल शरिया कानून चाहते हैं।

तेजस्वी को भी है एक कड़े निर्णय का इंतजार

एक कहावत है जो मन खइयन हार के वही मन परसन हार के, भाजपा के विरुद्ध राजद की स्ट्रेटजी ए टू जेड के साथ-साथ विशेष ध्यान मुस्लिम वोटरों के प्रति से केंद्रित होते दिखने लगी है। जातीय जनगणना के बाद मुस्लिमों के लगभग 18 प्रतिशत की आबादी का आकर्षण तेजस्वी यादव को 1990 की राजनीति का सफल समीकरण की और ले जाते दिखा। यही वजह भी है कि मुस्लिम वोटों को रिझाने के लिए तेजस्वी यादव ने वक्फ संशोधन कानून का जमकर विरोध करते यह भी कहा कि उनकी सरकार बनी तो वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक दूंगा। ठीक उसी अंदाज में जिस तरह से लालू यादव मुस्लिम वोटों को रिझाने के लिए तरीका अपनाते थे। तेजस्वी यादव भी मुस्लिम वोटों में कोई बंटवारा नहीं चाहते। यही वजह भी है तेजस्वी यादव शरिया कानून की तरफदारी करते रहे हैं। यह जानते हुए भी कि अंबेडकर के संविधान के बदले शरिया कानून की तरफदारी करने की आलोचना होगी, लेकिन उनकी नजर में 18 प्रतिशत मुस्लिम वोट की प्राथमिकता है।

भगवान राम और शिव की तरह लालू : उर्मिला

बिहार में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले आरजेडी की एमएलसी उर्मिला ठाकुर ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे विवाद हो सकता है। उर्मिला ठाकुर ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तुलना भगवान शिव से कर दी है। उन्होंने लालू यादव को धरती पर जिंदा भगवान बताया है। उर्मिला ठाकुर ने यह बात मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट में बीआर आंबेडकर की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में कही। उन्होंने अपने भाषण में लालू यादव की तुलना कई हिंदू देवी-देवताओं से भी की। दरअसल, उर्मिला ठाकुर मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट में बीआर आंबेडकर की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुईं। यहीं पर उन्होंने लालू प्रसाद यादव को भगवान बता दिया। उनके भाषण का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में उर्मिला ठाकुर कहती हैं कि शिव के बाद अगर कोई दूसरा जिंदा भगवान हैं, धरती पर भगवान हैं या आशीर्वाद देनेवाले भगवान हैं। उर्मिला ठाकुर जैसी नेता जिसके पिता दाढ़ी बनाने का काम करते थे, आज इस बेटी को इस सदन में कुर्सी पर बैठानेवाला कोई शख्स है तो उसका नाम है लालू यादव।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आपदाओं की पुनरावृत्ति सरकार की विफलता

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पासमैलारम फेज एक इलाके में एक केमिकल फैक्टरी में हुए विस्फोट में 34 कर्मचारियों की मौत हो गई। कुछ दिन पहले नोएडा के थाना फेस वन क्षेत्र स्थित डी-93 सेक्टर-दो स्थित शाम पेंट इंडस्ट्रीज केमिकल की कंपनी में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि लपटें आसमान तक छूती नजर आई। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। औद्योगिक आपदाओं की पुनरावृत्ति सरकार की विफलता को दर्शाती है कि उसने पिछले घटनाओं से सबक नहीं सीखा है। सुधारों और कमजोर शासन के नाम पर, राज्य अपने मूल कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता कि वह एक सुरक्षित कार्य और जीवन सुनिश्चित करे। अमूमन देखने को मिलता है मजदूरों को न कभी ट्रेनिंग दिलाई और नही आपातस्थित से निपटने का कोई प्रशिक्षण दिया गया। फैक्ट्री में दुर्घटनाएं होने पर कुछ दिन शोर मचता है। मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा होने के बाद सब शांत हो जाता है।

दुर्घटनाएं रोकने की कोई योजना नही बनती। नहीं फैक्ट्री के श्रमिकों को दुर्घटना होने के समय की चुनौती बताई जाती हैं। फैक्ट्री लगती है किंतु उनका तकनीकि निरीक्षण नहीं होता। निरीक्षण करने वाली अधिकारी पैसे के बल पर अपने आफिस में ही बैठकर रिपोर्ट बना देते है। एक प्रभावी और नैतिक श्रम निरीक्षण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सार्थक सुधारों की आवश्यकता है जो श्रमिकों और समुदाय की सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता दें। इसके साथ ही फैक्ट्री श्रमिकों का आपदा के समय सुरक्षा के उपाए, कैसे बचाव करें आदि का बार-बार प्रशिक्षण देना होगा। सभी उद्योगों के निरीक्षण के लिए तकनीकि विशेषज्ञों की टीम बनानी होगी। उन्हें नियमित निरीक्षण के निर्देश करने होंगे। इससे किसी दुर्घटना होने पर मौत और घायलों का आंकड़ा कम किया जा सकता है। दुर्घटना होने के हालात में इन तकनीकी अधिकारियों की जिम्मेदारी भी फिक्स करनी होगी। देखने में आ रहा है कि निरीक्षण स्टाफ की फेक्ट्री स्वामियों से मिलीभगत होने के कारण उद्योग स्वामी प्राय: प्रशिक्षित स्टाफ नही रखते। उत्तर प्रदेश के अमरोहा की दुर्घटना ग्रस्त पटाखा फैक्ट्री का भी ये ही कारण रहा। फैक्ट्री स्वामी ने सस्ते के चक्कर में फैक्ट्री के आसपास रहने वाली महिलाएं रख रखी थी। उन्हें वह मात्र तीन सौ रूपया रोज मजदूरी देता था। उनकी सामजिक सुरक्षा आदि का भी प्रबंध नही था। श्रम और रोजगार मंत्रालय के महानिदेशालय फ़ैक्ट्री सलाह सेवा और श्रम संस्थान द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पंजीकृत फ़ैक्ट्रियों में दुर्घटनाओं के कारण हर दिन औसतन तीन मजदूरों की मौत हुई है और 11 घायल होते हैं।

"अमूमन देखने को मिलता है मजदूरों को न कभी ट्रेनिंग दिलाई और नही आपातस्थित से निपटने का कोई प्रशिक्षण दिया गया। फैक्ट्री में दुर्घटनाएं होने पर कुछ दिन शोर मचता है। मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा होने के बाद सब शांत हो जाता है। दुर्घटनाएं रोकने की कोई योजना नही बनती। नहीं फैक्ट्री के श्रमिकों को दुर्घटना होने के समय की चुनौती बताई जाती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पहाड़ों की संवेदनशीलता को समझना भी जरूरी

पंकज चतुर्वेदी

सुंदर, शांत, सुरम्य हिमाचल प्रदेश में इन दिनों कुदरत ने रौद्र रूप धारण किया है। छोटे से राज्य का बड़ा हिस्सा अचानक आई तेज बरसात और जमीन खिसकने से त्रस्त है तो जहां आपदा आई नहीं वहां के लोग भी आशंका में जी रहे हैं। आषाढ़ में मानसून की पहली बौछार के साथ ही कई जिलों, विशेषकर कुल्लू और धर्मशाला में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। इससे कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है। कुल्लू और धर्मशाला जिलों में अनेक जगह बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई है और अनेक लापता हैं। पिछले एक हफ्ते में कम से कम 30 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कांगड़ा के खनियारा क्षेत्र में इंदिरा हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास फ्लैश फ्लड में 20 मजदूर बह गए, जिनमें से कुछ के शव बरामद हुए हैं, बाकी की तलाश जारी है। कुल्लू की सेंज घाटी में तमाम पर्यटक फंसे हुए हैं। यहां बादल फटने से एक ही परिवार के तीन लोग बह गए।

धर्मशाला-चतरो-गगल मार्ग और अपर शिमला क्षेत्र में त्यूणी-हाटकोटी मार्ग जैसे कई प्रमुख मार्ग भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अभी तो सावन-भादों आगे हैं। दुखद यह कि वैज्ञानिकों द्वारा इस बारे में दी गई ढेर सारी चेतावनियां फाइलों में बंद हैं। सरकारी महकमे अपने ढर्रे पर काम कर रहे हैं जबकि पहाड़ जलवायु परिवर्तन के विविध कुप्रभावों से ग्रस्त हैं। इसी साल 14-15 फ़रवरी को आईआईटी, बॉम्बे में सम्पन्न दूसरे इंडियन क्रायोस्फीयर मीट में आईआईटी रोपड़ के वैज्ञानिकों ने एक शोधपत्र प्रस्तुत कर बताया था कि हिमाचल राज्य का 45 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी आपदाओं के प्रति संवेदनशील है। 5.9 डिग्री और 16.4 डिग्री के बीच औसत ढलान वाले और 1,600 मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्र विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ दोनों के लिए प्रवण हैं। इस बैठक में दुनियाभर के लगभग 80 ग्लेशियोलॉजिस्ट, शोधकर्ता और वैज्ञानिक शामिल हुए। इतनी स्पष्ट चेतावनी के बावजूद न समाज चेता और न ही सरकार।

नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, इसरो द्वारा तैयार देश के भूस्खलन नक्शे में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों को बेहद संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। देश के कुल 147 ऐसे जिलों में संवेदनशीलता की दृष्टि से मंडी को 16वें स्थान पर रखा गया है। यह आंकड़ा और चेतावनी फाइल में सिसकती रह गई। यही हाल शिमला का हुआ जिसका स्थान इस सूची में 61वें नम्बर पर दर्ज है। प्रदेश में 17,120 स्थान भूस्खलन संभावित क्षेत्र अंकित हैं, जिनमें से 675 बेहद संवेदनशील मूलभूत सुविधाओं और घनी आबादी के करीब हैं। भूस्खलन की दृष्टि से किन्नौर जिला को सबसे खतरनाक माना जाता है। बीते साल भी किन्नौर के बटसेरी और न्यूगलसरी में दो हादसों में ही 38 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद किन्नौर जिला में भूस्खलन को लेकर भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के विशेषज्ञों के साथ-साथ आईआईटी, मंडी व रुड़की के विशेषज्ञों ने अध्ययन किया है। हिमाचल सरकार की डिज़ास्टर मैनेजमेंट सेल द्वारा प्रकाशित एक 'लैंडस्लाइड हैज़ार्ड रिस्क असेसमेंट' अध्ययन ने पाया कि बड़ी संख्या में हाइड्रोपावर स्थल पर धरती खिसकने का खतरा है। लगभग 10 ऐसे मेगा हाइड्रोपावर प्लांट, स्थल मध्यम और उच्च जोखिम वाले भूस्खलन क्षेत्रों में स्थित हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए हैं। चेतावनी के बाद भी किन्नौर में, एक हज़ार मेगावाट की करचम और 300 मेगावाट की बासपा परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एक बात और समझनी होगी कि वर्तमान में बारिश का तरीका बदल रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जलविद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की राज्य की नीति को एक नाजुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है। यदि गंभीरता से देखें तो इन आपदाओं को बुलाने में इन्सान की भूमिका भी कम नहीं हैं। दुनियाभर के शोध कह रहे थे कि हिमालय पर्वत जैसे युवा पहाड़ पर पानी को रोकने, जलाशय बनाने और सुरंगें बनाने के लिए विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे, तब हिमाचल की जल धाराओं पर छोटे-बड़े बिजली संयंत्र लगाकर उसे विकास का प्रतिमान निरुपित किया जा रहा था।

कहने को तो प्रदेश के 50 स्थानों पर आईआईटी, मंडी द्वारा विकसित आपदा पूर्व सूचना यंत्र लगाये गए हैं। लेकिन आपदाएं बताकर नहीं आतीं। कई शोध पत्र कह चुके हैं कि हिमाचल प्रदेश में अंधाधुंध जल विद्युत परियोजनाओं से चार किस्म की दिक्कतें आ रही हैं। पहला इसका भूवैज्ञानिक प्रभाव है, जिसके तहत भूस्खलन, तेजी से मिट्टी का ढहना शामिल है।

हिंदी के विरोध की संकीर्ण राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

आपातकाल में हमारे संविधान की प्रस्तावना में दो शब्द जोड़े गये थे- पहला 'पंथ निरपेक्षता' और दूसरा समाजवाद। संविधान जब तैयार किया जा रहा था तब भी इन शब्दों की आवश्यकता की चर्चा हुई थी, पर तब हमारे संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि यह दोनों विचार संविधान में अन्यत्र स्पष्ट रूप से जुड़े हुए हैं, अत: इन्हें अलग से प्रस्तावना में जोड़ना आवश्यक नहीं है। जब आपातकाल के दौरान इन्हें जोड़ा गया तो तर्क यह दिया गया था कि यह दोनों विचार प्रमुखता के साथ रेखांकित होने चाहिए। संविधान के 42वें संशोधन से इसे रेखांकित कर दिया गया। बाद की जनता पार्टी की सरकार ने भी इस बात को मान लिया। पचास साल बाद यह विवाद फिर सिर उठा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को यह लग रहा है कि इन दोनों शब्दों को प्रस्तावना से हटा कर अब अपनी विचारधारा को संविधान में शामिल किया जा सकता है। और यदि संख्या की दृष्टि से फिलहाल संविधान में प्रयुक्त संशोधन नहीं हो सकता तो भी देश में अपने विचार के समर्थन में वातावरण बनाने का यह अच्छा मौका है।

ऐसी ही एक कोशिश महाराष्ट्र में भी हो रही है- राज्य की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने केंद्र की नयी शिक्षा-नीति को लागू करने की प्रक्रिया की शुरुआत करते हुए यह निर्णय लिया था कि राज्य में त्रिभाषा फार्मूले को लागू किया जाये। इस फार्मूले के अनुसार राज्य के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों को मराठी और अंग्रेजी के अलावा तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाई जानी थी। विपक्ष, विशेषकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को, सरकार के इस निर्णय का विरोध करके अपनी जमीन को मज़बूत करने का अवसर दिखाई दिया। उद्धव ठाकरे ने घोषणा कर दी कि उनकी पार्टी इस निर्णय को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देगी। लगभग दो दशक पहले बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को छोड़कर अपना स्वयं का राजनीतिक दल बनाने वाले उनके भतीजे राज ठाकरे को भी इस स्थिति में एक अवसर दिखाई दिया और उन्होंने भी घोषणा कर दी कि राज्य सरकार की मराठी विरोधी नीति को लागू नहीं होने दिया जायेगा।

कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी भी ठाकरे बंधुओं के आह्वान के साथ जुड़ गयीं। एक बार फिर राज्य में मराठी अस्मिता के नाम पर माहौल बनने लगा। स्थिति को सुधारने के लिए राज्य सरकार ने यह घोषणा की कि पहली से पांचवीं तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य रूप से नहीं पढ़ाई जायेगी, यदि बच्चे किसी अन्य भाषा को पढ़ना चाहते हैं तो उनके लिए स्कूलों में इसकी व्यवस्था की जायेगी, बशर्ते किसी अन्य भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम से कम बीस हो। सरकार को लगा था कि इस घोषणा से स्थिति संभल जायेगी। पर ऐसा हुआ नहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठे) और राज ठाकरे की मनसे, दोनों किसी भी कीमत पर इस अवसर को हाथ से जाने नहीं देना चाहते थे। तय हुआ कि पांच जुलाई को राज्य का समूचा विपक्ष मराठी भाषा और मराठी अस्मिता की रक्षा के नाम पर केंद्र के निर्देश से काम करने वाली महाराष्ट्र सरकार के निर्णय के विरोध में आंदोलन करेगा।

बाजी हाथ से निकलते देख कर राज्य सरकार ने हिंदी की पढ़ाई वाला अपना कदम वापस लेने का निर्णय किया। अब एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गयी है जो राज्य के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूले को लागू किये जाने के बारे में अध्ययन करके अपना सुझाव देगी। पर विपक्ष इस अवसर का लाभ उठाने पर आमादा है। ज्ञातव्य है कि भाषा के नाम पर महाराष्ट्र बहुत ही संवेदनशील है। दक्षिण और पूर्वी भारत के कुछ राज्यों में भी भाषा को लेकर संवेदनशीलता कम नहीं है। तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, बंगाल आदि राज्यों में भी भाषा के नाम पर राजनीति होती रही है। और अब भी हो रही है। लेकिन महाराष्ट्र में तो भाषाई अस्मिता के नाम पर ही शिवसेना जैसे राजनीतिक दल की स्थापना हो पायी थी। आज भी 'उबाठा' या 'मनसे' जैसे दल एक तरह से भाषा की राजनीति ही कर रहे हैं। बालासाहेब ठाकरे ने 'मराठी माणूस' के हितों के नाम पर ही शिवसेना का गठन करने में सफलता पायी थी और आज भी त्रिभाषा फार्मूले वाली शिक्षा-नीति में हिंदी की स्थिति को लेकर होने वाले विरोध के मूल में भाषाई अस्मिता वाली बात ही है। महाराष्ट्र में इस नीति का विरोध करने वाले यह तो कहते हैं कि वह 'हिंदी के विरोधी नहीं, हिंदी को थोपे जाने के विरोधी हैं', लेकिन यह सवाल तो उठता ही है कि देश में सर्वाधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा हिंदी की पढ़ाई का विरोध करने वाले एक विदेशी भाषा अंग्रेजी को कैसे स्वीकार कर पा रहे हैं? थोपी तो अंग्रेजी जा रही है।

बहरहाल, हिंदी भले ही संविधान में राष्ट्रभाषा नहीं, बल्कि देश की राजभाषा के रूप में स्वीकार की गयी हो, पर इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत जैसे बहुभाषी देश में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी सर्वाधिक उपयुक्त भाषा है। अंग्रेजी सीखने-सिखाने से भी किसी को विरोध नहीं होना चाहिए, अंग्रेज़ी एक समृद्ध भाषा है, दुनिया के कई देशों में बोली जाती है, इक्कीसवीं सदी के भारत में अंग्रेजी की आवश्यकता भी हो सकती है, पर 121 प्रमुख भाषाओं वाले भारत में, जहां संविधान बाईस भाषाओं को राष्ट्रभाषा का दर्जा देता है, अपनी किसी भाषा का विरोध उचित तो नहीं ही कहा जा सकता। राजनीतिक हितों और स्वार्थों की बात छोड़कर हमें देश की भाषाई वास्तविकता को समझना होगा।

पनीर पकौड़े

पनीर का इस्तेमाल सिर्फ सब्जी के तौर पर ही नहीं किया जाता है बल्कि इससे कई तरह के अन्य फूड आइटम्स भी तैयार किये जा सकते हैं। इनमें से ही एक स्वाद से भरा फूड आइटम है पनीर पकोड़े का चाय के साथ पनीर के पकौड़े खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। इसे बनाना काफी आसान होता है। पनीर के पकौड़े ज्यादा तीखे नहीं होते, इसलिए आप इसे इसे बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी तैयार कर सकते हैं। इसे हरे धनिए की चटनी के साथ ही परोसें।

मूंग दाल के पकौड़े

दिल्ली की सड़कों पर आपको मूंग दाल के पकौड़े आसानी से मिल जाते हैं। आप चाहें तो इसे घर पर बना कर बारिश का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके साथ इमली की खट्टी मीठी चटनी और हरे धनिए की तीखी चटनी खाने में और स्वादिष्ट लगती है।

चाय के साथ इन पकौड़ों का लें आनंद

बारिश का मौसम शुरु हो गया है। कई जगहों पर लगातार हो रही बारिश की वजह गर्मी के मौसम ने भी करवट बदल ली है। तापमान में आई गिरावट से लोगों को काफी राहत मिली है। बारिश के इस खुशनुमा मौसम में घूमने और कुछ चटपटा खाने का मन तो हर किसी का करता है। खासतौर पर बात करें पकौड़ों की, तो इस मौसम में बारिश आते ही हर किसी से जहन में अदरक वाली चाय और पकौड़ों की तस्वीर घूमने लगती है। ज्यादातर लोग बारिश में प्याज और आलू के पकौड़े खाना पसंद करते हैं लेकिन अगर आप बारिश के मौसम में प्याज-आलू के पकौड़े खाकर बोर हो गए हैं तो इस बार कुछ अलग ट्राई करें। आप प्याज और आलू को छोड़ कर कई अन्य सब्जियों की मदद से भी स्वादिष्ट पकौड़े बना सकते हैं।

मिर्च पकौड़े

बड़ी वाली मिर्च क स्वादिष्ट पकौड़े राजस्थान की काफी पॉपुलर डिश है। आप चाहें तो इसे घर पर आसानी से बना सकती हैं। ध्यान रखें कि मिर्च के पकौड़े बनाते समय मिर्च पर बेसन की लेयर को ज्यादा मोटा न रखें, इससे इसका स्वाद खराब हो सकता है। यह पकौड़े बाहर से क्रिस्पी और इनके अंदर आलू की स्टफिंग होती है। इन्हें आप हरी चटनी या फिर चाय के साथ सर्व किया जाता है। बारिश के मौसम में इन पकौड़ों का खाने का मजा ही अलग है।

कटहल के पकौड़े

कटहल की सब्जी तो ज्यादातर लोगों को पसंद आती है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि कटहल के पकौड़े भी बनाए जाते हैं। कटहल के बने कुरकुरे पकौड़े खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। जिन लोगों को इसकी सब्जी नहीं पसंद वो भी पकौड़े को बड़े मन से खाएंगे। कटहल में पोटैशियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। कटहल में कई फलों से ज्यादा विटामिन्स और मिनरल्स है।

बैंगन के पकौड़े

इस मौसम में बैंगन काफी ज्यादा मात्रा में मिलते हैं। आपने बैंगन की सब्जी तो कई बार खायी होगी लेकिन क्या कभी बैंगन के पकोड़ों का स्वाद चखा है? ऐसे में आप चाहें तो बैंगन के पकौड़े बनाकर अपने घरवालों का दिल जीत सकती हैं। जिन लोगों को बैंगन की सब्जी पसंद नहीं आती, वो भी इसे बड़े चाव से खाएंगे।

कद्दू के फूल के पकौड़े

कद्दू के फूल के पकौड़े भी बनाए जाते हैं। खाने में ये काफी स्वादिष्ट लगते हैं। ये बंगाल और ओडिशा में ये एक बहुत ही पॉपुलर डिश है। अगर आपके घर के आस-पास भी कद्दू के फूल आसानी से मिल जाते हैं तो इस पकौड़े को जरूर बनाकर ट्राई करें। कद्दू के फूलों में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाई जाती हैं जो हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में काफी मदद करता है। इस वजह से हम सर्दी और खांसी जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं।

हंसना मना है

बाप: बेटा अगर ससुराल वाले स्कूटर दें तो कार मांगना, कूलर दें तो एसी मांगना, लड़का: पापा अगर वो लड़की दें तो उसकी मां को भी मांग लूं क्या?

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर: तुमने इससे क्या सिखा? स्टूडेंट: जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी: एक जहर की बोतल देना दुकानदार: बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया.. दुकानदार: बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दूं या छोटी?

पति- क्या तुम्हें पता है कि गाने में इतनी ताकत होती है कि पानी भी गरम हो जाता है, पत्नी- हां हां जरूर, क्यों नहीं जानती अब तुम यही सोच लो अगर तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं।

टीचर- कल होमवर्क नहीं किया तो मुर्गा बनाऊंगा। पप्पू - सर मुर्गा तो मैं नहीं खाता, आप चाहो तो मटर पनीर बना लेना, पप्पू का जवाब सुनकर मास्टर जी ने कल के बजाए उसे आज ही मुर्गा बना दिया।

कहानी — लक्ष्य

एक लड़के ने एक बार एक बहुत ही धनवान व्यक्ति को देखकर धनवान बनने का निश्चय किया। वह धन कमाने के लिए कई दिनों तक मेहनत कर धन कमाने के पीछे पड़ा रहा और बहुत सारा पैसा कमा लिया। इसी बीच उसकी मुलाकात एक विद्वान से हो गई। विद्वान के ऐश्वर्य को देखकर वह आश्चर्यचकित हो गया और अब उसने विद्वान बंनने का निश्चय कर लिया और अगले ही दिन से धन कमाने को छोड़कर पढ़ने-लिखने में लग गया। वह अभी अक्षर ज्ञान ही सिख पाया था, की इसी बीच उसकी मुलाकात एक संगीतज्ञ से हो गई। उसको संगीत में अधिक आकर्षण दिखाई दिया, इसीलिए उसी दिन से उसने पढाई बंद कर दी और संगीत सिखने में लग गया। इसी तरह काफी उम्र बित गई, न वह धनी हो सका ना विद्वान और ना ही एक अच्छा संगीतज्ञ बन पाया। तब उसे बड़ा दुख हुआ। एक दिन उसकी मुलाकात एक बहुत बड़े महात्मा से हुई। उसने महात्मन को अपने दु:ख का कारण बताया। महात्मा ने उसकी परेशानी सुनी और मुस्कुराकर बोले, बेटा, दुनिया बड़ी ही चिकनी है, जहां भी जाओगे कोई ना कोई आकर्षण जरूर दिखाई देगा। एक निश्चय कर लो और फिर जीते जी उसी पर अमल करते रहो तो तुम्हें सफलता प्राप्ति अवश्य हो जाएगी, नहीं तो दुनियां के झमेलों में यूं ही चक्कर खाते रहोगे। बार-बार रूचि बदलते रहने से कोई भी उन्नति नहीं कर पाओगे। युवक महात्मा की बात को समझ गया और एक लक्ष्य निश्चित कर उसी का अभ्यास करने लगा।

शिक्षा- उपर्युक्त प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि हम जिस भी कार्य को करें, पूरे तन और मन से एकाग्रचित होकर करें, बार-बार इधर-उधर भटकने से बेहतर यही की एक जगह टिककर मेहनत की जाएं, तभी सफलता प्राप्त की जा सकती हैं।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी।

वृषभ धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कर्क प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी।

कन्या शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

तुला शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा।

मकर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कुम्भ मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मालिक का ट्रेलर देख गदगद हुए लोग

राजकुमार राव के एक्शन ने छुड़ाए दर्शकों के पसीने

राजकुमार राव की अगली फिल्म मालिक का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें डायलॉग बाजी भरपूर है। स्त्री 2 में धमाल मचा चुके राजकुमार राव अपनी अपकमिंग फिल्म मालिक के साथ जल्द ही सिनेमाघरों में आ रहे हैं। लंबे समय बाद ऐसा लग रहा है कि राजकुमार राव अपने अब तक के किरदार से हटकर दिख रहे हैं। इस ट्रेलर की शुरुआत ही एक धाकड़ डायलॉग के साथ हो रही है।

राजकुमार राव की फिल्म मालिक जहां इसी महीने 11 जुलाई को रिलीज होने जा रही है, वहीं अब मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा दिया है। दो मिनट 45 सेकंड के इस ट्रेलर में राजकुमार राव ने जबरदस्त डायलॉग मारा है। एक मजबूर बाप का बेटा हो तो जो नहीं हो, वो बनने की कोशिश मत करो

अब तक रोमांटिक, कॉमेडी और हॉरर-कॉमेडी जैसी फिल्मों में नजर आ चुके राजकुमार राव की ये फिल्म उनके एक्शन अवतार वाली पहली फिल्म है। इस ट्रेलर की शुरुआत

होती है कुछ इंटेंस सीन के साथ जहां कई सारे पुलिस वाले अपनी बंदूकें ताने दिख रहे हैं। पीछे से डायलॉग सुनाई देती है, एक मजबूर बाप का बेटा हो तो जो नहीं हो, वो बनने की कोशिश मत करो।

एक साधारण लड़के के गैंगस्टर बनने की कहानी

इसके बाद अगला डायलॉग है, हम मजबूर बाप का बेटा हैं किस्मत थी हमारी और आपको मजबूत बेटा का बाप बनना पड़ेगा, ये किस्मत है आपकी। ट्रेलर की इन झलकियों में एक साधारण लड़के के गैंगस्टर बनने के पीछे की कहानी दिखाई गई है, जो पहले भले कमजोर था लेकिन अब गुंडई के दम से उसके पास सबकुछ है। वो हर गलत काम धड़ल्ले से करता है, जहां पुलिस भी उसके पैर छूते हैं। उसे किसी का डर नहीं। वहीं इस गुंडे-गर्दी से भरी जिंदगी के बीच उसकी अपनी फैमिली लाइफ भी है। हालांकि, अब उसकी जान के पीछे कई बंदूकें पड़ चुकी है।

गदगद हैं राजकुमार राव के फैन्स

मालिक का ट्रेलर देख राजकुमार राव के फैन्स गदगद हैं। ट्रेलर देखकर लोग सोशल मीडिया पर कह रहे हैं- वाह, मजा आ गया गुरु। एक ने कहा, राजकुमार राव वो गैंगस्टर है जो सूट में आता है, लेकिन आंखों से ही अनकाउंटर कर देता है। एक्टिंग इतनी खतरनाक करता है कि विलन भी खड़े होकर तालियां बजा दें। भाई का स्क्रीन पे आना मतलब, सीधा दहशत और तालियों का कॉम्बो।

'मां' ने 5वें दिन भी किया कमाल, कर रही है छप्पर फाड़ कमाई

काजोल स्टारर मच अवेटेड माइथोलॉजिकल हॉरर फिल्म 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिव्यू मिला है। इसी के साथ इसने अच्छी शुरुआत के बाद ओपनिंग वीकेंड पर भी दमदार कमाई की। वहीं सोमवार के लिटमस टेस्ट को स पास करने के बाद, 'मां' ने 5वें दिन यानी पहले मंगलवार को बॉक्स ऑफिस पर तेजी भी दिखाई। चलिए यहां जानते हैं 'मां' ने रिलीज के 5वें दिन यानी पहले मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है।

विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित 'मां' सुपरनैचुरल थ्रिलर है जिसमें काजोल ने लीड रोल प्ले किया है। इस

फिल्म को दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। खास बात ये है कि आमिर खान की सितारे जमीन पर के आगे भी 'मां' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है। फिल्म ने पहले ही दिन टिकट खिड़की पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। इसके बाद ओपनिंग वीकेंड पर भी इसने खूब नोट छापे। हालांकि पहले सोमवार को फिल्म की कमाई में गिरावट भी दर्ज की गई लेकिन इसने मंगलवार को फिर अपनी रफ्तार बढ़ा ली और अच्छी कमाई की।फिल्म के अब तक के कलेक्शन की बात करें तो 'मां' ने पहले दिन यानी शुक्रवार को 4.65 करोड़ कमाए थे। इसके बाद शनिवार को फिल्म ने 6 करोड़ और रविवार को 7 करोड़ रुपयों का कलेक्शन किया। हालांकि, फिल्म ने सोमवार को 2.5 करोड़ रुपये की कमाई करते हुए 64त्न की गिरावट देखी। वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'मां' ने रिलीज के 5वें दिन यानी पहले मंगलवार को 2.85 करोड़ रुपयों की कमाई की। इसी के साथ 'मां' की 5 दिनों की कुल कमाई अब 23 करोड़ रुपये हो गई है।

बॉलीवुड | मन की बात

शुरू में मुझे फिल्मों में काफी आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था : अर्जुन रामपाल

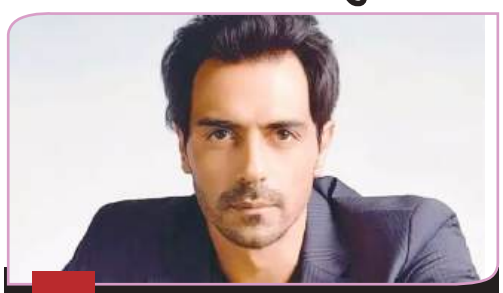

अर्जुन रामपाल ने जब फिल्मों में कदम रखा, तो मॉडल होने के नाते उन्हें लंबे समय तक आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा कि मॉडल अभिनय नहीं कर सकते, मगर बीते 25 सालों में अर्जुन लगातार अपने क्रॉफ्ट पर काम करते गए और रॉक ऑन के लिये उन्होंने सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी हासिल किया। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई वेब सीरीज राना नायडू से। उनसे एक खास बातचीत। आप जब मॉडलिंग से फिल्मों में आए तो आपकी पहली फिल्म मोक्ष को बनने में पूरे 6 साल लग गए थे, वो समय आपके लिए कितना कठिन था? -मैंने जब अपनी पहली फिल्म मोक्ष के रशेज (कुछ दृश्य) देखे तो मुझे खुद से नफरत हो गई थी। मुझे लगा कि मैं कैमरे के सामने इतना स्टिफ क्यों लग रहा हूं। फिर मैंने उसका विश्लेषण किया और मैंने पाया कि मॉडल के रूप में हमें कैमरे के आगे विशेष तरह से चलने और पोज देने की ट्रेनिंग दी जाती है, मगर जब आप फिल्म करते हैं, तो आपको किरदार में ढलना होता है। आपको बुत की तरह खड़े नहीं रहना होता। उन रशेज को देखकर मैंने तय किया कि मैं एक्टर की दिशा में आगे कदम बढ़ाऊंगा, तो मैंने ऐलान कर दिया कि मैं मॉडलिंग से संन्यास ले रहा हूं। तब मैं नहीं जानता था कि मोक्ष को बनने में 6 साल लग जाएंगे। मैं मॉडलिंग छोड़ चुका था और मेरे इनकम का स्त्रोत भी बंद हो चुका था। बहुत मुश्किल समय था। कई बार मेरे पास किराया भरने के पैसे नहीं होते थे, मगर उस दौर ने बहुत कुछ दिया भी। कई ऐसे दोस्त दिए, जिनका साथ लंबा चला। उस वक्त अपने काम से इतना लगाव था कि मैं सेट पर होता था, तो खुशी मिलती थी। आज भी सेट पर जाता हूं, तो एक अलग तरह का हाई मिलता है। मॉडल होने के नाते जब आपको आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ा कि आप अभिनय नहीं कर सकते? मगर फिर आपको आगे चलकर राष्ट्रीय पुरस्कार (रॉक ऑन के लिए सहायक अभिनेता का) भी मिला?-बहुत दुख होता था, जब मुझे और मेरे अभिनय को क्रिटिसाइज किया जाता था। शुरुआत में जब आप नए होते हैं, तो आपको प्रोत्साहन चाहिए होता है, क्योंकि उस वक्त आप खुद असुरक्षित होते हैं कि आपको काम आता है या नहीं? ऐसे में जब आपके काम को बुरा बोला जाता है, तो बहुत तकलीफ होती है।

अजब-गजब | डॉक्टर नहीं पकड़ पा रहे इस बच्चे की बीमारी!

2 साल से खाना नहीं खा रहा है बच्चा, रोज करता है उल्टियां

छोटे बच्चों को खाना खिलाना बहुत मुश्किल काम होता है। बहुत सी मांएं इस तरह की शिकायत करती देखी गई हैं। कई बच्चे दूध बहुत मुश्किल से छोड़ते हैं और उनकी खुराक तरलपदार्थ से होते हुए सामान्य भोजन पर लाने में मां के लिए एक चुनौती बन जाती है। फिर भी कई बच्चों को सामान्य खाना खिलाना भी बहुत बड़ी चुनौती हो जाती है। पर 3 साल के रॉनी का हाल थोड़ा सा अलग है। वह दो साल से खाना नहीं खा रहा है। वह केवल दूध पीता है। हर दिन वह 4 बार उल्टी करता है। जेस ने कई डॉक्टरों और विशेषज्ञों से मदद मांगी। लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। लेकिन उसकी मां जेस मैककॉर्मिक इससे बहुत परेशान हैं। पहले रॉनी ने खाना तो शुरू किया था, लेकिन 18 महीने की उम्र में उसने खाना बंद कर दिया था। अब 3 साल का होने पर भी वह पूरा भोजन नहीं खाता। जेस ने बताया, हर दिन मेरे लिए डरावना है। अपने बेटे को तकलीफ में देखना दिल तोड़ने वाला है। जेस साथी ने कई जगह मदद मांगी, अपने स्थानीय डॉक्टर से बात की, व्हिस्टन अस्पताल के बच्चों के विशेषज्ञों से मिले, डायटीशियन से सलाह ली, यहां तक कि मशहूर एल्डर हे बच्चों के अस्पताल भी गए। लेकिन सही सही पता नहीं चल सका की रॉनी की समस्या क्या है।जेस ने लिवरपूल इको को

बताया, हमें इधर-उधर भेजा जा रहा है। कोई नहीं जानता कि रॉनी को क्या हुआ है। वह खाने के पास भी नहीं जाता। उसे खाने से डर लगता है। रॉनी को पेट दर्द और दस्त की शिकायत रहती है। जेस अस्पतालों के चक्कर लगाते लगाते टूट सी गई हैं। लेकिन कहीं से उम्मीद की किरण भी नजर नहीं आ रही थी।फिर एक दिन व्हिस्टन अस्पताल की टीम ने संपर्क किया। उन्होंने कहा कि रॉनी को ARFID नामक बीमारी हो सकती है। NHS के अनुसार, ARFID एक खाने की बीमारी है। इसमें बच्चा कुछ खास खाने से बचता है। यह वजन या शरीर की छवि से नहीं जुड़ा। यह खाने की गंध, स्वाद या बनावट से नफरत के कारण हो सकता है। कुछ बच्चों को भूख ही नहीं लगती। जेस को पहले ARFID के बारे में नहीं पता था। लेकिन अब उन्हें लगता है कि यह रॉनी की समस्या का जवाब हो सकता है। लेकिन वे अभी तक डॉक्टरों से इसकी पुष्टि नहीं करवा सकी हैं। उन्हें बताया गया कि लिवरपूल और सेफ्टन में ARFID विशेषज्ञ हैं। लेकिन जेस का डॉक्टर नोस्ली में है। इस वजह से उन्हें मदद नहीं मिल रही। NHS भी मानता है कि RFID सेवाएँ सीमित हैं। पर वे इस क्षेत्र में बच्चों और परिवारों के लिए बेहतर मदद की योजना बना रहे हैं। वे यह भी मानते हैं कि वे रॉनी और उसके परिवार की परेशानी को समझ सकते हैं। वहीं जेस अपने बेटे के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं। वह चाहती हैं कि रॉनी को सही इलाज मिले।

किस देश की राष्ट्रीय पक्षी है मुर्गी 90 फीसदी लोगों को नहीं होगा पता

हम जानते हैं कि सामान्य ज्ञान किसी भी नौकरी की परीक्षा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय होता है। सामान्य ज्ञान अक्सर जॉब एग्जाम में पूछा जाता है। सामान्य ज्ञान के साथ-साथ करंट अफेयर्स की जानकारी भी होनी चाहिए। ये न केवल ज्ञान बढ़ाने में मदद करते हैं, बल्कि देश-विदेश की कई जानकारियां भी देते हैं। आज हम ऐसे ही एक सामान्य ज्ञान से जुड़े सवाल को लेकर आए हैं जो काफी अजब-गजब है। इसका जवाब देना बहुत मुश्किल नहीं है, लेकिन फिर भी कई लोग इसमें गलती कर देते हैं।

हर देश किसी खास जानवर या पक्षी को अपना राष्ट्रीय प्रतीक चुनता है। उदाहरण के लिए, किस देश का राष्ट्रीय पक्षी 'चिकन' (मुर्गा) है? इस सवाल का जवाब बहुत कम लोगों को पता होगा। जब हम मुर्गे के बारे में सोचते हैं, तो हमें तरह-तरह के स्वादिष्ट पकवान याद आ जाते हैं लेकिन हम कभी यह नहीं सोचते कि जिसका मांस हम इतने चाव से खाते हैं, वह किसी देश का राष्ट्रीय पक्षी भी हो सकता है। अब आइए असली सवाल पर आते हैं। थोड़ी सी समझदारी से इसका जवाब दिया जा सकता है। इसका उत्तर है- हमारा पड़ोसी देश श्रीलंका।

पहले इसे सीलोन जंगल फाउल कहा जाता था। यह पक्षी केवल श्रीलंका के जंगलों में पाया जाता है। यह मुर्गे की एक प्रजाति है। कई लोग इसे जंगली मुर्गा भी कहते हैं। यह एक सर्वाहारी पक्षी है। यह एक दुर्लभ प्रजाति है जो बनियन वंश से संबंधित है। यह पक्षी केवल श्रीलंका के जंगलों में ही पाया जाता है। जंगल फाउल की लंबाई करीब 35 सेंटीमीटर और वजन लगभग 510 से 645 ग्राम तक होता है।

भाजपा के जाने का टाइम आ गया है: केजरीवाल

आप ने गुजरात जोड़ो अभियान किया शुरू

» विसावदर सीट की जीत है सेमीफाइनल और 2027 चुनाव की दस्तक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संगठनात्मक बैठकों में भाग लेने के लिए 1 से 3 जुलाई तक गुजरात का तीन दिवसीय दौरा शुरू किया। अरविंद केजरीवाल ने आज आम आदमी पार्टी के गुजरात जोड़ो अभियान की शुरुआत की। यह इस साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की हार और गुजरात के विसावदर विधानसभा क्षेत्र से आप नेता गोपाल इटालिया की हालिया उपचुनाव जीत के बाद हुआ है, जहां उन्हें 75,942 वोट मिले, जबकि भाजपा उम्मीदवार किरीट पटेल को 58,388 वोट मिले।

इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में 30 साल कांग्रेस ने राज किया, भाजपा ने 30 साल राज किया है। अब समय का चक्र घूम गया है और बीजेपी के जाने का टाइम आ गया है। अब एक ईमानदार पार्टी आएगी जो अच्छा काम करेगी। विसावदर की जीत से भगवान ने संदेश दे दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 30 साल में 100 किमी-प्रतिघंटा की स्पीड से दौड़ने वाले गुजरात को 35 किमी-प्रतिघंटा की स्पीड पर लाकर खड़ा कर दिया। सूरत हल्की बारिश के पानी में बुरी तरह डूबा हुआ था, लोगों के करोड़ों रुपये के घरों तक के अंदर पानी घुस गया। बीजेपी 30 साल में गुजरात की सड़कें तक नहीं बना पाई हैं। केजरीवाल ने साफ तौर पर कहा कि विसावदर का चुनाव सेमीफाइनल और 2027 चुनाव की दस्तक थी। 2027 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी और जनता का शासन होगा। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी ने गुजरात जोड़ो अभियान की शुरुआत की। गुजरात के सभी लोग 9512040404 नंबर पर मिस्ड काल से जुड़ सकते हैं। हमें इस सदस्यता अभियान को जनआंदोलन बनाना है, हमें गुजरात के 7 करोड़ लोगों को साथ जोड़ना है। उन्होंने कहा, बीजेपी ने यहां 30 साल तक शासन किया क्योंकि कोई विकल्प नहीं था, कांग्रेस बीजेपी की गोद में बैठी थी। अब लोगों को एक अच्छा, ईमानदार, देशभक्त विकल्प मिल गया है। उन्होंने आम आदमी पार्टी को सत्ता में लाने का फैसला किया है।

बीजेपी युवाओं को रोजगार नहीं दे रही

आप प्रमुख ने कहा कि बीजेपी युवाओं को रोजगार नहीं दे रही है, पेपर लीक हो रहे हैं। ये मनरेगा में गरीबों का पैसा तक खा गए हैं। कांग्रेस और बीजेपी मिलकर गुजरात को खा रहे हैं। कांग्रेस तो बीजेपी की नौकरी करती है। दोनों पार्टियों ने कंपनियाँ खोल रखी हैं। 70 प्रतिशत ठेके एक पार्टी को तो 30त ठेके दूसरी पार्टी को मिलते हैं। केवल आम आदमी पार्टी है जो देश की सेवा करती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी और कांग्रेस का प्रेमी और प्रेमिका का रिश्ता है, जो छिप-छिपकर मिलते हैं।

विभाजनकारी तत्व फैला रहे अराजकता : स्टालिन

» सीएम बोले - भक्ति का मुखौटा पहनकर छिपाते हैं पहचान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि विभाजनकारी मानसिकता वाले लोग, जो भक्ति के मुखौटे का उपयोग करके अपने वास्तविक इरादों को छिपाते हैं, द्रविड़ मॉडल सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की उपलब्धियों को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। यहां हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के तत्वावधान में 32 जोड़ों के विवाह समारोह की अध्यक्षता करते हुए स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन के तहत पिछले चार वर्षों के दौरान विभाग के तत्वावधान में अब तक 2,376 शादियां संपन्न हुई हैं और इसमें आज हुए 576 विवाह भी शामिल हैं।

स्टालिन ने कहा कि 3,177 मंदिरों का अभिषेक किया गया है, जो अभूतपूर्व है। इसके साथ ही, 997 मंदिरों से संबंधित 7,655.75 एकड़ भूमि, जिसकी कीमत लगभग 7,701 करोड़ रुपये है, को पुन: प्राप्त करना द्रविड़ मॉडल सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की मुख्य उपलब्धियों में शामिल है। उन्होंने कई अन्य पहलों का भी उल्लेख किया, जिनमें अनैथु सथियिनारुम अर्चक आगलम (किसी भी जाति का कोई भी व्यक्ति पुजारी बन सकता है) योजना के तहत 29 प्रशिक्षित पुजारियों की नियुक्ति भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सच्चे भक्त आध्यात्मिकता के क्षेत्र में सरकार की सेवाओं की सराहना करते हैं।

गिल एजबेस्टन में शतक लगाने वाले बने दूसरे भारतीय कप्तान

» शुभमन इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीसरे मैच में शतक लगाने वाले बने 5वें भारतीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एजबेस्टन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में जारी है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट गंवाकर 310 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल 114 रन और रवींद्र जडेजा 41 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक नाबाद 99 रन की साझेदारी हो चुकी है। गिल ने इंग्लैंड में लगातार दूसरे टेस्ट में शतक जड़ा। यह उनका बतौर कप्तान दूसरा और टेस्ट में सातवां शतक रहा। वह इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दूसरा शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बन गए। उनसे पहले यह कारनामा विजय हजारे और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने किया था।

वहीं भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने लीड्स के बाद एजबेस्टन टेस्ट में भी शतक जड़ दिया है। वह इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन टेस्ट मैचों में शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय बन गए। इस मामले में उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों की बराबरी कर ली।

वहीं एजबेस्टन में शतक लगाने वाले भारतीयों में अब गिल का नाम भी जुड़ चुका है। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने ऐसा किया था। सचिन और कोहली अब टेस्ट में नहीं खेलते हैं, जबकि पंत और जडेजा इस बार भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। प्रिंस के नाम से मशहूर गिल किंग कोहली के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। बतौर कप्तान उनकी पहली तीन पारी 147 रन, 8 रन और 114* रन की रही है। वहीं, कोहली की बतौर कप्तान पहली तीन पारी 115 रन, 141 रन और 147 रन की रही थी।

अंडर-19 भारतीय टीम ने तीसरे वनडे में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया

नॉर्थैम्पटन। भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हरा दिया। बुधवार को भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीमों के बीच जारी पांच मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला नॉर्थैम्पटन में खेला गया। इस मैच में इंग्लैंड ने 40 ओवर में छह विकेट खोकर 268 रन बनाए। उनके लिए कप्तान थॉमस रियू ने सर्वाधिक 76 रनों की नाबाद पारी खेली। जवाब में भारतीय टीम ने 34.3 ओवर में छह विकेट पर 274 रन बनाए और 33 गेंदों के शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने 2-1 से बढ़त हासिल कर ली है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय अंडर-19 टीम की शुरुआत झटके के साथ हुई। कप्तान अभिज्ञान कुंडु ने 12 रन बनाए। इसके बाद मोर्चा वैभव सूर्यवंशी और विहान मल्होत्रा ने संभाला। इस दौरान सूर्यवंशी ने 31 गेंदों में छह चौके और नौ छक्के की मदद से 86 रन बनाए।

राजस्थान में कानून व चिकित्सा व्यवस्था फेल

» कांग्रेस नेता गहलोत बोले- मुख्यमंत्री कोरी बयानबाजी कर रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कानून व्यवस्था को लेकर राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री को कोरी बयानबाजी करने के बजाय कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने पर ध्यान देना चाहिए। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मंगलवार को दिनदहाड़े एक महिला की तलवार से वार कर निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना की खबर साझा करते हुए गहलोत ने एक्स पर लिखा, बांसवाड़ा की यह खबर राजस्थान की कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था दोनों की पोल खोलने के लिए काफी है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ आरोपी जेल से जमानत पर बाहर आकर पुन: खुले आम शिक्षिका की तलवार से हत्या कर देता है क्योंकि उसके मन में पुलिस का कोई खौफ नहीं है और लगभग 24 घंटे बीत जाने के बाद भी हमलावर पुलिस की पहुंच से बाहर है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरी तरफ घायल महिला को लेने एंबुलेंस इसलिए नहीं पहुंच सकी क्योंकि डीजल नहीं था और यदि एंबुलेंस समय पर पहुंच जाती तो शायद पीड़िता की जान बच जाती। गहलोत ने लिखा, मुख्यमंत्री जी, ये डेढ़ साल और पांच साल की कोरी बयानबाजी करने के बजाय आप कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने पर ध्यान दें जिससे निर्दोष लोगों की ऐसे जान न जाए। उधर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के प्रमुख और नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल के घर का बिजली कनेक्शन 11 लाख रुपये से अधिक बकाया होने के कारण बिजली विभाग ने काट दिया है। जिसको लेकर राज्य में राजनीति भी शुरू हो गयी है।

शासन मूकदर्शक बना बैठा है : टीकाराम जूली

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मुद्दे को लेकर एक्स पर लिखा, प्रदेश में लगातार जिस प्रकार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं, उससे साफ है कि भाजपा राज में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, शासन मूकदर्शक बना बैठा है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

अवैध शराब की दुकानों पर गिरी गाज

» बिना लाइसेंस वाली शराब की दुकानों से नगर निगम ने 8,500 रुपये वसूले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अवैध शराब की दुकानों पर नगर निगम गाज गिरी है। नगर निगम जोन-3 द्वारा मंगलवार को जानकीपुरम क्षेत्र के भारतेंदु हरिशचंद्र वार्ड स्थित डांडिया बाजार में व्यापारिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान विशेष रूप से शराब की दुकानों को चिह्नित कर वैध ट्रेड लाइसेंस की जांच की गई।

जांच के दौरान जिन दुकानों के पास वैध ट्रेड लाइसेंस नहीं पाया गया, उन पर कार्रवाई करते हुए कुल 8,500 का जुर्माना वसूला गया। अभियान का नेतृत्व जोनल अधिकारी के निर्देशन में किया गया। कार्रवाई में कर अधीक्षक सभाजीत सिंह, खाद्य निरीक्षक संचिता मिश्रा, राजस्व निरीक्षक इमरान खान और ईटीएफ प्रवर्तन दल की उपस्थिति रही।

किसानों की मदद नहीं कर रही मोदी सरकार

» नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना

» बोले- सरकार की लापरवाही से जरूरी खाद की किल्लत से जूझ रहा देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि देश के किसान उर्वरकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी कोई मदद नहीं कर रही है। उन्होंने दावा किया कि चीन से आने वाले खास उर्वरकों की आपूर्ति रुकने के बावजूद सरकार ने कोई वैकल्पिक तैयारी नहीं की। राहुल गांधी ने इसे किसानों के साथ अन्याय करार दिया।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। लेकिन ये रीढ़ अब विदेशी निर्भरता के कारण कमजोर हो रही है। उन्होंने बताया कि भारत 80 फीसदी विशेष खाद चीन से आयात करता है और अब चीन ने इनकी सप्लाई रोक दी है, जिससे किसानों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि राजस्थान में किसानों को यूरिया और डीएपी की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि खरीफ सीजन की बुवाई का समय नजदीक है। उन्होंने सरकार से तुरंत जरूरी कदम उठाने और किसानों को राहत देने की मांग की है।

किसान निराशा में डूबे

राहुल गांधी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि किसान पहले ही महंगे बीज, खाद और डीजल की कीमतों से परेशान हैं। ऊपर से समय पर खाद न मिलने से उनकी फसलें बर्बाद हो रही हैं। इससे वे कर्ज और निराशा में डूबते जा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या अब किसान अपनी ही जमीन पर भी दूसरों पर निर्भर रहेगा?

सरकार ने नहीं की कोई तैयारी

कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को पहले से पता था कि चीन कभी भी आपूर्ति रोक सकता है, इसके बावजूद न तो घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई नीति बनाई गई और न ही कोई ठोस योजना पर काम हुआ।

जरूरी उर्वरकों की भी भारी कमी

राहुल गांधी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब देश में जरूरी उर्वरकों की कमी हुई हो। पहले भी देशभर के किसान डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) और यूरिया की कमी से परेशान रहे हैं। अब चीन से आने वाले स्पेशल फर्टिलाइजर की आपूर्ति बंद होने के बाद हालात और खराब हो गए हैं।

केंद्र सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ मोदी जी खाद की बोरियों पर अपनी फोटो छपवा रहे हैं, दूसरी तरफ देश के किसान मेड इन चाइना पर निर्भर होते जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि आखिर किसके विकास की बात की जा रही है? किसान तो सिर्फ नुकसान ही झेल रहा है।

गरीबों से सपने देखने का अधिकार छीना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घरों की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अब गरीबों से सपने देखने का अधिकार भी छीन लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगली बार जब कोई आपको सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े बताए तो उन्हें अपने घरेलू बजट की सच्चाई बताएं। अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार को घेरा। राहुल गांधी ने दावा किया कि महाराष्ट्र में आय के हिसाब से शीर्ष 5 प्रतिशत शहरी परिवारों को भी मुंबई में घर खरीदने के लिए 100 वर्षों से अधिक तक बचत करनी पड़ेगी। उन्होंने लिखा कि यदि आपको विश्वास नहीं हो रहा है, तो मैं इसे दोहराता हूं कि %मुंबई में घर खरीदने के लिए, भारत के सबसे अमीर पांच प्रतिशत लोगों को भी अपनी आय का 30 प्रतिशत 109 वर्षों तक बचाना होगा।

हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है केंद्र : मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र पर हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य को लंबित आपदा राहत कोष तुरंत जारी करने की मांग की। उन्होंने पहाड़ी राज्य में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण कई लोगों की जान जाने पर भी दुख जताया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करने का आग्रह किया। पीड़ितों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल के लिए लंबित आपदा राहत राशि तत्काल प्रभाव से जारी की जाए। इस वर्ष की बारिश से पहले ही हिमाचल सरकार ने केंद्र से 9000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की मांग की थी। 2023 की त्रासदी में कांग्रेस की राज्य सरकार ने 4500 करोड़ रुपये की विशेष सहायता जारी की थी, जबकि केंद्र की मोदी सरकार ने राज्य को केवल 433 करोड़ रुपये दिए। अब मोदी सरकार ने हाल ही में जल्दबाजी में 2023 के लिए 2000 करोड़ रुपये की घोषणा की है और भाजपा इसका श्रेय लेने में व्यस्त है, लेकिन राहत राशि अभी भी लंबित है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि इस बार भाजपा श्रेय लेने के बजाय नुकसान की भरपाई के लिए मदद करेगी। खरगे ने कहा कि पिछले कई दिनों से हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण जान-माल के नुकसान की खबरें बेहद दुखद हैं। सरकार और प्रशासन युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य में लगा हुआ है।

बाबा राम देव पर फिर कोर्ट की कड़ी फटकार

» दिल्ली हाईकोर्ट की पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक

» डाबर की याचिका पर हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकबार फिर पतंजलि व योग गुरू रामदेव पर अदालती कोड़ा चला है। दिल्ली हाईकोर्ट की पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक लगा दी है। बता दें च्यवनप्राश के विज्ञापन को लेकर डाबर की ओर से याचिका लगाई गई थी। डाबर का कहना है कि बाबा रामदेव ग्राहकों को गुमराह कर रहे हैं। इसी क्रम में दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पतंजलि को निर्देश दिया है कि वह डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ कोई भी नकारात्मक या भ्रामक विज्ञापन न दिखाए।

यह आदेश जस्टिस मिनी पुष्करणा ने डाबर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। डाबर ने कोर्ट में तर्क रखा कि इस तरह के विज्ञापन न सिर्फ उनके उत्पाद को बदनाम करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को गुमराह भी करते हैं। च्यवनप्राश एक पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधि है, जिसे ड्रग्स और कॉस्मेटिक एक्ट के तहत नियमानुसार ही बनाना होता है। ऐसे में अन्य ब्रांड्स को सामान्य कहना गलत, भ्रामक और नुकसानदायक है। इस मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। फिलहाल पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक लगा दी गई है। केस में डाबर की तरफ से वरिष्ठ वकील संदीप सेठी ने वकालत की, जबकि पतंजलि की ओर से वरिष्ठ वकील राजीव नायर और जयंत मेहता पेश हुए थे। पतंजलि अपने विज्ञापन में डाबर के च्यवनप्राश को सामान्य और आयुर्वेद की परंपरा से दूर बताकर प्रोडक्ट की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है। इस विज्ञापन में स्वामी रामदेव खुद यह कहते नजर आते हैं कि जिन्हें आयुर्वेद और वेदों का ज्ञान नहीं, वे पारंपरिक च्यवनप्राश कैसे बना सकते हैं?

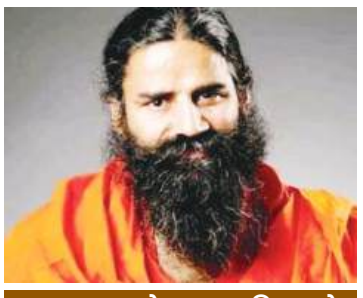

डाबर का आरोप- पतंजलि उनके प्रोडक्ट की इमेज खराब कर रहा

इसके अलावा डाबर ने कहा, पतंजलि के विज्ञापन में 40 औषधियों वाले च्यवनप्राश को साधारण कहा गया है। यह हमारे उत्पाद पर सीधा निशाना है। डाबर अपने च्यवनप्राश को 40+ जड़ी-बूटियों से बने होने का दावा करता है। डाबर का कहना है कि च्यवनप्राश बाजार में उनकी 60 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है। डाबर ने यह भी कहा कि पतंजलि के विज्ञापन में यह संकेत भी दिया गया है कि दूसरे ब्रांड्स के उत्पादों से स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। डाबर ने तर्क दिया कि पतंजलि पहले भी ऐसे विवादास्पद विज्ञापनों के लिए सुप्रीम कोर्ट में अवमानना के मामलों में घिर चुका है। इससे साफ है कि वह बार-बार ऐसा करता है।

खतरा टला, एयर इंडिया की दिल्ली-अमेरिका फ्लाइट में आयी दिक्कत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली से वाशिंगटन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ऑस्ट्रिया के वियना में ईंधन भरने के लिए रुकी, लेकिन वहां से उड़ान नहीं भरी। डेटा से पता चलता है कि इसने 2 जुलाई को दिल्ली से उड़ान भरी और वियना में उतरी। जबकि उसी दिन वाशिंगटन के लिए प्रस्थान निर्धारित था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने के हवाले से कहा, 2 जुलाई को दिल्ली से वाशिंगटन, डीसी जाने वाली फ्लाइट एआई 103 ने वियना में ईंधन भरने के लिए एक नियोजित स्टॉप बनाया। नियमित विमान जांच के दौरान, एक विस्तारित रखरखाव कार्य की पहचान की गई, जिसे अगली उड़ान से पहले सुधार की आवश्यकता थी और इस प्रकार, पूरा होने के लिए अतिरिक्त समय चाहिए था। इसके कारण, वियना से वाशिंगटन, डीसी तक की उड़ान रद्द कर दी गई और यात्रियों को उतार दिया गया। यात्रियों को विमान से उतार दिया गया।

मोदी सरकार का केरल के प्रति नकारात्मक रुख बरकरार: विजयन

» मुख्यमंत्री बोले- केंद्र ने ओणम त्योहार के लिए अतिरिक्त चावल आवंटन की राज्य की मांग को खारिज किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का केरल के प्रति नकारात्मक रुख जारी है और उसने ओणम त्योहार के लिए अतिरिक्त चावल आवंटन की राज्य की मांग को खारिज कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक 'पोस्ट' साझा कर सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर केंद्र सरकार के कथित केरल विरोधी रुख का विरोध करने का आह्वान किया है।उन्होंने कहा कि केरल की मांग है कि गैर-प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रति कार्ड पांच किलोग्राम चावल 8.30 रुपये की दर से उपलब्ध कराया जाए, जो वर्तमान में राज्य को अतिरिक्त आवंटन के रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह भी मांग की है कि गेहूं का आवंटन बहाल किया जाए, जो दो साल पहले तक अतिरिक्त आवंटन के रूप में दिया जा रहा था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओणम जैसे विशेष अवसरों के दौरान बाजार में चावल की कीमत को बढ़ने से रोकने के लिए गैर-प्राथमिकता वाले वर्गों को यथासंभव खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है।विजयन ने कहा, इसी संदर्भ में राज्य ने गैर-प्राथमिकता वाले वर्गों को अतिरिक्त चावल आवंटन की मांग की है।

पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया अकाउंट दोबारा बैन!

» भारत में एक्टर्स और क्रिकेटरोपर एक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कई पाकिस्तानी एक्टर्स और क्रिकेटरों के सोशल मीडिया अकाउंट को भारत में ओपन किए जाने के 24 घंटे के अंदर दोबारा बैन कर दिया गया है। एक दिन पहले बुधवार को, पाकिस्तानी एक्टर मावरा होकेन, सबा कमर, अहद रजा मीर, यमना जैदी और दानिश तैमूर के इंस्टाग्राम अकाउंट दिखने लगे थे यानी बैन हट गया था।

लेकिन 24 घंटे के अंदर ही ये सारे अकाउंट एक बार फिर बैन दिख रहे हैं। इन्हें खोलने पर स्क्रीन पर लिखा आ रहा है कि ये अकाउंट भारत में उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने इस सामग्री को प्रतिबंधित करने के कानूनी अनुरोध का अनुपालन किया है। इसके अलावा बुधवार को पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी और शोएब अख्तर के यूट्यूब चैनल भी भारत में खुलने लगे थे। खबर लिखे जाने तक ये दोनों चैनल अभी भी यूट्यूब पर खुल रहे थे। हालांकि, फवाद खान, माहिरा खान और हनिया आमिर जैसे अन्य पाकिस्तानी एक्टर्स के सोशल मीडिया अकाउंट कल भी भारत में बैन थे और अभी भी बैन हैं। मशहूर पाकिस्तानी शो होस्ट करने वाले कई यूट्यूब चैनलों पर भी बैन लगाया गया था। हालांकि, लगभग दो महीने के बाद, (स्टोरी फाइल करने तक) हम टीवी, एआरवाई डिजिटल और हर पल जियो जैसे एंटरटेनमेंट चैनल भारत में यूट्यूब पर चल रहे हैं। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर, कई पाकिस्तानी हस्तियों ने भारत और भारतीय सशस्त्र बलों की आलोचना की थी, जिसके कारण भारत सरकार ने भारत में सभी प्रमुख पाकिस्तानी हस्तियों के इंस्टाग्राम अकाउंट को जियोब्लॉक कर दिया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।